

यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट का बुरा हाल, दुरुस्त करने में जुटी रेलवे

ज्यादा लोग आएंगे: जरांगे

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई:

आजाद मैदान पर डेरा जमाए मनोज जरांगे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई, तो पांच करोड़ से ज्यादा लोग मुंबई आएंगे। उन्होंने मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि मुंबई में आम आदमी को उनके कारण असुविधा का सामना न करना पड़े। जरांगे ने अपने अनशन के चौथे दिन से पानी पीना बंद करने का संकल्प लेते हुए कहा कि वह मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग

(ओबीसी) श्रेणी में आरक्षण देने की अपनी मांग को लेकर गोलियां खाने को भी तैयार हैं। उन्होंने सरकार से उपलब्ध रिकॉर्ड को आधार बनाते हुए आरक्षण के आधार पर एक सरकारी आदेश जारी करने की मांग की है।

पत्रकाराओं से दुर्व्यवहार की CM ने की निंदा, जरांगे ने कहा, बदनाम करने की साजिश

■ पेज 1 से आगे

मुख्यमंत्री आवास वर्षा पर हुई बैठक में मंत्रिमंडल उपसमिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण विखे पाटील ने कहा कि अगर मनोज जरांगे को कोई शिष्टमंडल है तो बताएं। चर्चा किससे करनी है? क्या माइक पर चर्चा होती है? मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार हठधर्मिता का रुख नहीं अपना सकती। हम रास्ता निकाल रहे हैं। कोई चर्चा के लिए आगे आए तो समाधान जल्दी निकल सकता है। फडणवीस ने जरांगे पाटिल के उस आरोप को खारिज किया कि व्यापारियों से जबरन दुकानें बंद कराई गईं। सरकार ने ही व्यापारियों से कहा कि वे दुकानें चालू रखें, हम पुलिस संरक्षण दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आंदोलन के दौरान पत्रकाराओं से अभद्र

व्यवहार की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, हम पहले भी 30 से अधिक मराठा मोर्चे देखे हैं। इ मोर्चों का अनुशासन भी देखा है। मेरी समझ अनुसार मनोज जरांगे को जो अनशन की अनुमति दी गई थी, उसमें कुछ शर्तें थीं। इनका उल्लंघन हुआ है। सड़कों पर जो गतिविधियां चल रही हैं, उन पर न्यायालय ने नाराजगी व्यक्त की है।

कोई सड़क पर गाड़ी नहीं लगाए: जरांगे
सोमवार शाम को मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि वे अदालत के निर्देशों का पालन करेंगे। उन्होंने

कार्यकर्ताओं से सड़कों वाहन हटाने की अपील की। जरांगे ने कहा कि मुंबईकरों को आंदोलन तकलीफ नहीं हो चाहिए। महिला पत्रकारों से हुए अभद्र व्यवहार उन्होंने कहा कि ये बदनाम करने का षड्यंत्र है।

बराबरी = की भाषा

नवभारत टाइम्स की पहल

* इस लेख में इस्तेमाल स्त्रीलिंग शब्द पत्रकारा पाठकों की सहमति से 'बराबरी की भाषा' अभियान के तहत चुने गए हैं। इस पर अपनी राय हमें ईमेल कर सकते हैं।

nbtreader@timesofindia.com

मराठा प्रतिनिधिमंडल ने